

नखराली राधा यमुना पे जल भरे हिलोला लेय



भरे हिलोला लेय,
ओ राधा भरे हिलोला लेय,
नखराली राधा यमुना पे,
जल भरे हिलोला लेय।

ईत यमुना उत गोकुल नगरी,
बीचे बरसानो धाम,
आती जाती गुजर्या सु,
मांगे दही को दान,
ओ नखराळी राधा यमुना पे,
जल भरे हिलो लेय।

आदि नदी मे जूजलो रे,
आदि नदी मे किच,
ओ साथ सख्या मिल रास रचावे,
मोहन वाके बिच,
ओ नखराळी राधा यमुना पे,
जल भरे हिलो लेय।

मुकुंद रावल की विनती जी,
सूनजो कृष्णमुरार,
चरणा मे अर्जी करू जी,
जोडु दोनी हाथ,
ओ नखराळी राधा यमुना पे,
जल भरे हिलो लेय।

भरे हिलोला लेय,
ओ राधा भरे हिलोला लेय,
नखराली राधा यमुना पे,
जल भरे हिलोला लेय।

गायक – मुकुंद रावल।

8875883542

सहयोग – बालचन्द्र राठौर।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>